बृहस्पतिवार
24 अगस्त 2023

पृष्ठ 4
सेहत पर भारी पड़ सकती है चाय की दीवानगी!

पृष्ठ 5
पायलट बने ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 197
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

रंग इसलिए हैं कि जीवन की एकरसता दूर हो सके और इसलिए भी कि हम सादगी का मूल्य पहचान सकें।

— मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

भीमताल को नगरपालिका व घाट ब्लॉक को नगर पंचायत बनाने पर मोहर

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी विकास और युवा कल्याण से जुड़े कई अहम फैसले सरकार द्वारा लिए गए हैं। कैबिनेट की बैठक में 30 प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

कैबिनेट बैठक की फैसलों की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव ने बताया कि बैठक में नरेंद्र नगर नगर पालिका का विस्तार करते हुए इसमें तीन गांवों को पालिका क्षेत्र में जोड़ा गया है। जिनका जनसंख्या घनत्व 150 व्यक्ति से ज्यादा है। वही कीर्ति नगर का भी सीमा विस्तार करते हुए इसमें 32 परिवारों को जोड़ा गया है तथा मुंसियारी को नगर पंचायत तथा चमोली के घाट ब्लॉक को भी नगर पंचायत बनाने को मंजूरी दे दी गई है। यही नहीं इसके अलावा नगर पालिका रुद्रप्रयाग का विस्तार करते हुए इसमें भी कुछ गांवो को जोड़ा गया है। भीमताल में बढ़ती पर्यटक गतिविधियों के मद्देनजर

●प्रतियोगी परीक्षा देने वाले छात्रों को किराए में 50 पीसदी की छूट

ऊंच्चकृत करते हुए नगर पालिका बनाने का फैसला किया गया है।

बैठक में वन विभाग से जुड़े हुए दो प्रस्तावों पर विचार करते हुए वन्य जीव हमलो की बढ़ती संख्या को देखकर अब वन्य जीव हमले में घायल होने और मृत्यु होने की दशा में दिए जाने वाले मुआवजे में वृद्धि कर दी गई है। इसके अनुरूप अब सामान्य घायल को 15 हजार तथा गंभीर रूप से घायल को एक लाख की सहायता दी जाएगी जबकि मृत्यु होने की स्थिति में चार लाख से बढ़ाकर मुआवजा राशि 6 लाख करने का फैसला लिया गया है।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा मुख्यमंत्री उच्च शोध प्रोत्साहन योजना शुरू की जा रही है जिसके तहत शिक्षा विभाग द्वारा उद्यमिता जागरूकता कैंप लगाए जाएंगे और छात्रों से शोध कार्य कराए जाएंगे इनमें जो छात्र बेहतर होंगे उन्हें ट्रेंड किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा के बाद राज्य में हर साल नसों की भर्तियां निकलने का फैसला भी लिया गया है। युवा कल्याण और खेल नीति के तहत जो खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे उन्हें सरकारी नौकरी दी जाएगी। जिसके तहत अधिक से अधिक 600 खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। यह मौका 2015, 2016 के खिलाड़ियों को भी मिलेगा इसके अलावा आज की कैबिनेट बैठक में प्रतियोगी परीक्षा देने जाने वाले छात्र-छात्राओं को उत्तराखंड परिवहन सेवा की बसों में किराए में 50 फीसदी की छूट देने का भी निर्णय लिया गया है।

38 दुकानों पर चला बुलडोजर

विशेष संवाददाता

पौड़ी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पौड़ी श्रीनगर मार्ग पर बनी 38 दुकानों पर आज प्रशासन द्वारा बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया। इन दुकानदारों को प्रशासन द्वारा दो दिन पहले नोटिस जारी कर उन्हें दुकानें खाली करने को कहा गया था। दुकानों को ढहाए जाने को लेकर दुकानदारों का कहना है कि अब वह कहां जाएंगे और कैसे अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे।

उल्लेखनीय है कि 1988 में नगर पालिका पौड़ी द्वारा 32 दुकानें बनाकर 1 साल के लिए इन दुकानदारों को आवंटित की गई थी वहीं 38 में से 6 दुकानें नगर विकास प्राधिकरण ने बनवाई थी। इन दुकानों को खाली कराने को लेकर लंबे समय से मामला न्यायालय में विचाराधीन चल रहा है निचली अदालतों से लड़ाई हार जाने के बाद दुकानदार हर बार फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करते गए और यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा जहां से अभी चंद दिन पूर्व ही फैसला आया था और दुकानों को खाली कराए जाने के आदेश दिए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम और प्राधिकरण को इसका नोटिस भेजा गया और 2 दिन पूर्व दुकानदारों को नोटिस देकर 2 दिन में अपना सामान हटाने को कहा गया था जिसके बाद अधिकतर दुकानदारों ने अपना सामान हटा लिया था लेकिन कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने दुकान खाली नहीं की। आज दलबल के साथ पहुंची प्रशासन की टीम ने इन दुकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई करते हुए इन्हें ध्वस्त कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई इस कार्रवाई का हालांकि व्यापारियों ने विरोध नहीं किया है लेकिन उनका कहना है कि वह इतने दिनों से यहां कारोबार कर रहे थे। अगर उन्हें हटाया जा रहा है तो उन्हें मुआवजा या कहीं दूसरी जगह दुकान दी जानी चाहिए थी।

❑1988 में 1 साल के लिए अलाट की गई थी दुकानें

चंद्रयान 3: रोवर प्रज्ञान ने की चंद्रमा पर सैर

नई दिल्ली। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल और ऐतिहासिक सॉफ्ट लॉन्च के बाद चंद्रयान 3 के पहले विकास में इसरो ने ट्वीट किया, रोवर प्रज्ञान विक्रम लैंडर से नीचे उतर गया है और चंद्रमा पर सैर कर चुका है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को ट्वीट कर लिखा, भारत में निर्मित, चंद्रमा के लिए निर्मित, सीएच-3 रोवर लैंडर से नीचे उतरा और भारत ने चंद्रमा पर सैर की!

बुधवार शाम 6:04 बजे चंद्रयान 3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की। इसने लैंडिंग के लिए चंद्रमा की सतह पर एक समतल क्षेत्र को चुना। इसने लैंडिंग इमेजर कैमरे द्वारा ली गई लैंडिंग साइट की एक तस्वीर भेजी। लैंडर ने उतरते समय लैंडिंग की कुछ तस्वीरें लीं जिन्हें उसने धरती पर भेजा। फिर लैंडर से रोवर प्रज्ञान के बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू हुई। विक्रम से निकले रोवर की पहली तस्वीर धरती पर भेजी गई। अब प्रज्ञान नीचे उतरा और टहलने लगा। प्रज्ञान रोवर अब अगले 14 दिनों तक चंद्रमा की सतह पर कई प्रयोग करेगा और उन डेटा को लैंडर को भेजेगा। इसका वजन 26 किलोग्राम है और इसमें दो पेलोड हैं।

भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द

नई दिल्ली। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। डब्ल्यूएफआई की सदस्यता 45 दिन में चुनाव ना करवा पाने की वजह से रद्द हुई। भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 12 अगस्त को होने थे, मगर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने वोटिंग से ठीक एक दिन पहले चुनाव पर रोक लगा दी थी। इससे पहले वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती संघ को 45 के अंदर चुनाव कराने के लिए कहा था, मगर काफी समय बीत जाने के बावजूद चुनाव नहीं हो पाए। ऐसे में वर्ल्ड रेसलिंग ने एक्शन लेते हुए भारतीय कुश्ती को सस्पेंड कर दिया है। असम हाईकोर्ट भी भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक लगा चुका है। चुनाव पहले 11 जुलाई को होने थे, मगर असम रेसलिंग एसोसिएशन अपनी मान्यता को लेकर कोर्ट पहुंच गया। जिस पर सुनवाई करते हुए असम हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगा दी थी। इसके बाद अगस्त में भी चुनाव नहीं हो पाए।

भारतीय कुश्ती में पिछले कुछ महीनों से बवाल मचा हुआ है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया सहित कई पहलवानों ने तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाया था। पहलवानों ने काफी समय तक धरना प्रदर्शन किया। जिसके बाद खेल मंत्रालय ने फेडरेशन के पदाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। पदाधिकारियों को सस्पेंड करने के बाद एडहॉक कमेटी फेडरेशन का काम संभाल रही थी। बीते दिनों फेडरेशन के चुनाव 12 अगस्त को होने थे। अध्यक्ष पद के लिए 4 उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन भरा था। अध्यक्ष पद के लिए एक महिला ने भी नॉमिनेशन भरा था। अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेशन भरने वाले संजय सिंह को लेकर पूरा बवाल मचा था। संजय को बृजभूषण सिंह का करीबी बताया गया। चुनाव में उनके उतरने पर प्रदर्शन करने वाले पहलवान अपनी नाराजगी जता चुके थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

चांद पर भारत

कहा जाता है कि असफलता ही सफलता की जननी होती है दृढ़ इच्छा शक्ति और कड़ी मेहनत करने का अगर माद्दा है तो आपको अपने किसी भी मिशन में सफल होने से कोई भी नहीं रोक सकता है। इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान दो की असफलता को चुनौती देते हुए बीते कल चंद्रयान 3 मिशन में जो सफलता हासिल की है वह इसकी एक बेहतरीन मिसाल है। जिस शानदार तरीके से चंद्रयान 3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की गई उसे देखकर विश्व के वह राष्ट्र भी भारत की इस बड़ी कामयाबी पर तालियां बजा रहे हैं जिन्हें महा शक्तियों और विकसित राष्ट्रों में शुमार किया जाता है। इस सफलता के साथ ही भारत ने अंतरिक्ष में लंबी छलांग लगा दी है और वह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय ध्वज फहराने वाला पहला देश बन गया है। अभी 4 दिन पहले की ही बात है जब रूस का लूना 25 नाकाम हो गया था। 23 अगस्त 2023 का दिन भारत के इतिहास में इस सफलता के साथ स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो चुका है और अंतरिक्ष में भारत को इस सफलता के साथ उन चार देशो के साथ लाकर खड़ा कर दिया है जो भारत से कई दशक पहले से इस अभियान में जुटे थे। इस अभियान की कई ऐसी खास बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। भारत का यह मिशन चंद्रयान-3 पूर्णतया स्वदेशी तकनीक आधारित था तथा इस मिशन का रिकॉर्ड कम समय यानी 10 माह में पूरा किया गया और इसमें एक बॉलीवुड फिल्म के निर्माण से कम बजट खर्च किया गया। यही नहीं इस मिशन में बड़ी संख्या में महिलाएं और हर क्षेत्र में भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है। इस बड़ी सफलता की क्या मायने और महत्व हैं? तथा भारत के साथ-साथ विश्व भर के देशों को इसके क्या-क्या फायदे होंगे यह आने वाला समय ही तय करेगा लेकिन इस बड़ी कामयाबी के बाद देश के वैज्ञानिकों का जो उत्साहवर्धन हुआ है वह अवश्य ही देश को बुलंदियों की ओर लेकर जाएगा। आज की इस सफलता के समय हमें सिर्फ उन वैज्ञानिकों का आभारी ही नहीं होना चाहिए जो इस मिशन का हिस्सा रहे हैं इसरो के संस्थापक और महान अंतरिक्ष विज्ञानी साराभाई को भी नमन करना चाहिए जिन्होंने भारत के लिए अंतरिक्ष में उड़ान की पहली सोच का बीजारोपण किया अंतरिक्ष में भारत की वर्तमान उड़ान ने भावी भविष्य की उम्मीदो के पर लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल इस सफलता के बाद ही ऐलान कर दिया है कि अब मिशन सूर्य की तैयारी है। यह सच है आज का भारत नया भारत है और उसके हौसले इतने बुलंद है कि उसे अब किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती है सफलता से भावी भविष्य की संभावनाओं के द्वार खुलते हैं भारत की इस बड़ी सफलता से देश को ऐसी ही उम्मीदें हैं। कल इस सफलता पर पूरा देश जश्न मना रहा था इसका भी एक संदेश पूरे विश्व देशों में गया है वह है एक महाशक्ति के रूप में उभरते भारत की समग्र एकता और एक जुटता का संदेश। आने वाले 14 दिन अगर यह मिशन सफलता के साथ जारी रहता है तो निश्चित ही चंद्रमा के अनेक रहस्यों की जानकारी देश और पूरे विश्व को मिल सकेगी जिसकी उपयोगिता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है।

मसूरी टाउन हॉल खुलवाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी में नवनिर्मित टाउन हॉल का सरकार द्वारा अवलोकन किए जाने वह जनता को समर्पित किए जाने के बावजूद जनता इसका उपयोग नहीं कर पा रही है। इस टाउन हॉल में ताले लगाए हुए हैं। इस बात का विरोध जताते हुए आज मसूरी ट्रेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा उप जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन द्वारा कहा गया है कि कई दशकों से टाउन हॉल का लाभ मसूरी की जनता लेती आयी है परंतु वर्ष 2005 के बाद एक अनुबंध अनुसार टाउन हॉल का नव निर्माण मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया और वर्ष 2020 में ये नव निर्मित टाउन हॉल उत्तराखंड सरकार द्वारा अवलोकन करने के पश्चात् जनता को समर्पित किया गया। परंतु आज तक मसूरी की जनता इस नव निर्मित टाउन हॉल का उपयोग नहीं कर पा रही है। बहुत ही खेद की बात है की सरकारों ने जनता के करोड़ों रुपये का उपयोग कर इस नव निर्मित टाउन हॉल पर ताले डाल कर इसको दुरुपयोग की दशा में ले आयें हैं। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस टाउन हॉल को जल्द खुलवाएं ताकि मसूरी की जनता इसका लाभ उठा सके।

कद्ध नूनं कधप्रियो यदिन्द्रमजहातन।
को वः सखित्व ओहते॥

(ऋग्वेद ८-७-३१)

इंद्र से मित्रता भला कौन छोड़ सकता है? हम जितना उससे मित्रवत होते हैं वह उससे दुगना हमसे मित्रवत होता है।

पलायन जैसी आपदा से निपटने को स्वरोजगार बेहतर विकल्पः दिव्या

हमारे संवाददाता

देहरादून। विश्व उद्यमिता दिवस पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में स्वाबलंबी भारत चुनौती एवम अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मशरूम ब्रैंड अंबेस्डर दिव्या रावत उपस्थिति रही।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से ही पलायन जैसी आपदा से निपटा जा सकता है जिसके लिए मशरूम बेहतर विकल्प है। आज पहाड़ घोस्ट विलेज के रूप में जाने जाने लगे है। गांव के गांव खाली हो गए । पहाड़ के युवा दिल्ली मुंबई में आठ दस हजार की नौकरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा में रहकर मैने पहाड़ के युवाओं की पीड़ा को महसूस किया और उसी दिन निर्णय लिया कि मैं उत्तराखंड वापस जाकर काम करूंगी और रिवर्स पलायन की मुहिम छेड़ी और चमोली गढ़वाल से

इसकी शुरूआत की जिसके अंतर्गत मशरूम उत्पादन को चुना। क्योंकि बाजार में इसका उचित मूल्य मिल जाता है और मौसम व जंगली जानवरों से कोई खतरा नहीं है।

बताया कि उन्होंने मशरुम की कई किस्में व आधुनिक टेक्नोलोजी के लिए विदेश जाकर रिसर्च किया और कीड़ा जड़ी जैसे उत्पाद को अपनी लेब में तैयार किया जो तीन लाख रुपए किलो बिकती है । अपनी यही टेक्नोलोजी को मैं लोगों को देती हू जिससे वो अपना उत्पाद तैयार करते हैं। कोरोना काल में जहां लोग घर वापसी कर रहे थे और आर्थिक संकट से जूझ रहे थे ऐसी विषम परिस्थितियों में युवाओं ने स्वरोजगार के रूप में मशरूम उगाया आज वो बेहतर स्थिति में हैं। आज पहाड़ का युवा काफी जागरूक हो गया है और स्वरोजगार अपना रहा है पहाड़ की महिलाए मशरूम उत्पादन में अपनी रुचि ले रही हैं।कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ मनप्रीत सिंह, प्रोफेसर गौरी,प्रो ज्योति छाबड़ा ने दिव्या रावत को मेमेंटो देकर सम्मानित किया।

'मुनस्यारी को नगर पंचायत बनाने की घोषणा का विरोध'

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। मुनस्यारी को नगर पंचायत बनाने की घोषणा का पहले दिन ही विरोध हो गया। वन पंचायत तथा भूमि के मालिकाना हक के मामलों का समाधान होने तक ग्राम पंचायतों को भंग नहीं किए जाने का अनुरोध भी किया गया है। जबरन ग्राम पंचायत को भंग किए जाने का विरोध करने का ऐलान भी किया गया।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कैबिनेट की बैठक में नगर पंचायत को मंजूरी दिए जाने के तत्काल बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेज कर कहा कि मुनस्यारी को आगे बढ़ाने के लिए नगर पंचायत की आवश्यकता है, लेकिन नगर पंचायत बनने से पहले तीन वन पंचायतों तथा जमीनों के मलिकाना हक के मामलों को सुलझाया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत बनने

के बाद वन पंचायत का क्या अस्तित्व होगा? इस पर स्पष्ट राय 4 वर्षो से मांगी जा रही है, लेकिन कोई भी विभाग इस पर बोलने को तैयार नहीं है। राज्य सरकार को इसका प्रस्ताव भी भेजा गया था लेकिन सरकार की ओर से भी कोई पहल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इस नगर पंचायत की सीमा के भीतर वर्षो से रहने सैकड़ो परिवारों को मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। फ्री होल्ड होने की स्थिति में लाखों रुपए का राजस्व देने की स्थिति में गरीब परिवार नहीं है। इसलिए शून्य राजस्व पर इन परिवारों को मालिकाना हक फ्री होल्ड के माध्यम से दिए जाने की मांग का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया है।

इस प्रस्ताव पर भी राज्य सरकार चुपचाप बैठी हुई है। कोई भी विभाग इस मामले में बात करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन, जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार के पास वन पंचायत का अस्तित्व तथा जमीन के मालिकाना हक का प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव पर सरकार को तत्काल अपना रूख स्पष्ट करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब तक इन दोनों मामलों में कोई सम्मानजनक फैसला नहीं आता है, तब तक ग्राम पंचायत को भंग करने का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

इसके लिए शीघ्र क्षेत्र के लोगों की एक बैठक बुलाई जाएगी। जिसमें आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

1 करोड 22 लाख की धोखाधड़ी में तीन शराब करोबारियों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून । शराब कारोबार में साझेदार बनाकर एक करोड 22 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में तीन शराब करोबारियो पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालसिया स्टेट मसूरी निवासी दर्गेश ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया मैसर्स नीलकण्ठ एसोसियट्स, सुमन पुरी, सहस्त्रधारा के तीन प्रोपराइटर / पार्टनर अरविन्द मोहन नैथानी, हरीश जुयाल व विनीत कुकरेती उसके पूर्व से परिचित थे, तो इन तीनों व्यक्तियों द्वारा उसके सामने फर्म में नीलकण्ठ एसोसियट्स में मिलकर कारोबार करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें इन तीनों व्यक्तियों द्वारा उसको वर्ष 2020-21 में शराब व्यवसाय में भागीदारी करने का 25 प्रतिशत पार्टनर बनाने का आश्वासन दिया गया। चूंकि वह इन तीनों व्यक्तियों को पहले से जानता था तो वह इनके प्रलोभन में आ गया और फिर 08 मई 2020 को इनके द्वारा उसके साथ एक भागीदारी विलेख कचहरी परिसर देहरादून में बनाया गया जिसमें कुल 6 भागीदार थे। जिसमें अरविंद मोहन, हरीश जुयाल व वह 25-25 प्रतिशत तथा विनीत कुकरेती 23 प्रतिशत श्रीमती मीनाक्षी कुकरेती व बिमला कुकरेती 1-1 प्रतिशत के भागीदार दर्शित थे। मैसर्स नीलकण्ठ एसोसियट्स के इन्ही तीनों व्यक्तियों द्वारा उसके साथ छल कपट, कूट रचना की जायेगी, इस बात का उसको बिल्कुल भी अंदेशा नही था और फिर इसी विश्वास के रिश्ते के साथ इन तीनों द्वारा उससे अलगअलग कुल एक करोड़ बाईस लाख चौतीस हजार कारोबार में मेरा शेयर कहकर लिया गया, जिस बात का प्रमाण इनके खातों में ट्रांसफर पैसा व इनके द्वारा लिखित सहमति पत्र भी है जिसकी पुष्टि फर्म के लेखा खातों में भी उल्लिखित है। ये तीनों व्यक्ति शराब का कारोबार देखते रहे और जब भी वह इनसे हिसाब पूछता तो ये व्यापार मंदा होने का बहाना बनाकर उसको बहला-फुसला देते, इस तरह जब काफी समय बीतता रहा और वह इनके ऐशोआराम देखने लगा तो उसके द्वारा इन पर व्यापार का हिसाब देने का दबाव बनाया गया तो इन तीनों व्यक्तियों द्वारा अपनी की कम्प्यूटर जनरेटेड शीट दी गयी, जिसमे इनके द्वारा व्यापार में सात करोड सतर लाख सतर हजार चार सौ छियासठ रुपये नौ पैसे का नुकसान दिखाया गया तथा उसको कहा गया कि व्यापार पूरी तरह डूब गया है और वह कंगाल हो गये है। उसको हुए इतने बडे नुकसान से वह व उसका परिवार अत्यन्त परेशान हो गये क्योंकि उसने इस व्यापार के लिए परिवार / रिश्तेदारों से पैसे उधार ले रखा था। इनके द्वारा उसके साथ धोखा कर उसके रुपये हडप लिए है ।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

कॉट्न बड्स से कानों को साफ करना हम सेफ मानते हैं, जान लीजिए इससे होने वाले नुकसान

कान हो या नाक।।। पानी, हवा, धूल मिट्टी से गंदगी जमने लगती है। कानों में जमा होने वाली गंदगी को ईयरवैक्स कहते हैं। कई लोग आज भी माचिस की तीली का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ लोग कॉट्न ईयर बड्स का इस्तेमाल करते हैं। जब भी आप कान साफ करने के लिए तीली या लकड़ी का इस्तेमाल करते होंगे तो घर में कहा जाता है कि अरे कान का चादर फट जाएगा कॉट्न ईयर बड्स सेफ होता है उससे करना ठीक रहेगा। लेकिन आज अपने आर्टिकल के जरिए बताएंगे क्या कॉट्न बड्स वाकई में कान के लिए सेफ है। क्या इसके इस्तेमाल से कान सही में साफ हो जाता है। खासकर शहर में लोग कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान के बारे में।।।

कॉट्न बड्स से होते हैं ये नुकसान

डॉक्टर के मुताबिक कॉट्न बड्स से कान साफ करना ठीक नहीं होता है। कॉट्न बड्स को जब कान के अंदर डालते हैं तो वह गंदगी को बाहर निकालने के बजाय पीछे की तरफ धकेल देता है। जिससे कान में इंफेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। साथ ही साथ इससे कान जख्मी भी हो सकता है। कॉट्न बड्स से कान के अंदर की परत को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे आपकी सुनने की क्षमता को भी नुकसान पहुंच सकता है।

ईयर कैनाल में चली जाती है गंदगी

कान में ईयरवैक्स बनते हैं। यह एक तरह से कानों को प्रोटेक्ट भी करता है। लेकिन अगर यह जरूरत से ज्यादा बन जाए तो कानों को नुकसान भी पहुंचाता है। लोग कॉट्न बड्स से कान तो साफ कर लेते हैं लेकिन इसमें मौजूद गंदगी ईयर कैनाल के अंदर चली जाती है। जिसके कारण बैक्टीरिया का कान के अंदर जाने का रिस्क रहता है।

यह बैक्टीरिया इतने ज्यादा खतरनाक होते हैं कि इससे कान के पर्दे को खतरनाक नुकसान भी होने लगता है। शुरुआत में कान के अंदर बैक्टीरिया या गंदगी चला जाता है तो शुरुआत में पता नहीं चलता है और खुजली होने लगता है। ऐसे में गंदगी बढने लगती है। जो कान के अंदर कई खतरनाक बीमारी कर सकती है। ऐसी स्थिति में कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। खासकर बच्चे और बुजुर्गों को तो भूल से कॉट्न बड्स का इस्तेमाल कान पर नहीं करना चाहिए।

खुद ही निकल जाता है कान का मैल

भगवान ने इंसान का शरीर ऐसा बनाया है जो एक टाइम के बाद खुद साफ हो जाता है। ऐसा ही कुछ मामला कान के साथ है। अगर आप उसे छोड़ देंगे तो वह खुद-ब- खुद साफ हो जाता है। एक टाइम के बाद इसमें होने वाले वैक्स खुद निकल जाते हैं। ऐसा एकदम जरूरी नहीं है कि आप हर रोज कान साफ करें।

कैसे करें कान की सफाई

कान की सबसे अच्छी सफाई है इसमें सबसे पहले तेल डालें। बेबी ऑयल बेहतर होता है। कान में तेल डालने से जो भी गंदगी होती है वह बाहर की तरफ आ जाती है, जिसे आप किसी भी कपड़े की मदद से आसानी से साफ कर सकते हैं। जरूरी नहीं है कि आप नहाते वक्त कान की साफ जरूर करें। क्योंकि नहाते वक्त कान में पानी चला जाता है।(आरएनएस)

प्रेशर कुकर में भूलकर भी नहीं पकानी चाहिए ये चीजें, वरना बेकार चली जाएगी सारी मेहनत

प्रेशर कुकर रसोई की सबसे जरूरी चीज है। भारत में शायद ही ऐसी कोई रसोई होगी, जहां प्रेशर कुकर का इस्तेमाल ना किया जाता हो। प्रेशर कुकर का ज्यादा इस्तेमाल करने के पीछे एक वजह यह भी है कि इसमें खाना जल्दी और स्वादिष्ट बनता है। हालांकि ऐसा जरूरी नहीं है कि हर चीज को बनाने के लिए प्रेशर कुकर का इस्तेमाल किया जाए। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें कुकर में नहीं बनाना चाहिए। यहां हम उन्हीं खाद्य पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको कुकर में बनाने से बचना चाहिए।

डेयरी प्रोडक्ट: डेयरी प्रोडक्ट जैसे दूध, दही या क्रीम आदि से जुड़े पकवानों को प्रेशर कुकर में नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि कुकर में ज्यादा हीट की वजह से डेयरी प्रोडक्ट फट सकता है और खराब हो सकता है।

फ्राइड फूड: प्रेशर कुकर में तली हुई चीजें भी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि ज्यादा हीट और गर्म तेल के कारण खाना बिखर सकता है और जलने से जुड़ी घटनाएं हो सकती हैं।

पास्ता और नूडल्स: पास्ता और नूडल्स जैसे फूड आइटम्स को बनाने के लिए भी कुकर का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि ये गिलगिले बन सकते हैं, जो खाने में स्वादिष्ट नहीं लगेंगे।

जल्दी पकने वाली सब्जियां: जिन सब्जियों को पकाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता या जो सब्जियां कम समय में बन जाती हैं, उन्हें कुकर में बनाने की गलती नहीं करनी चाहिए। इन सब्जियों में हरी पत्तेदार सब्जियां, मुलायम प्रकृति वाली सब्जियां शामिल हैं। कुकर में इन सब्जियों को बनाने से ये ज्यादा पक सकती हैं और अपना पोषण मूल्य और असली रंग खो सकती हैं।

केक और बेक: कई लोग केक और कुकीज आदि जैसे बेक्ड फूड बनाने के लिए आमतौर पर प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करते हैं। जबकि इन्हें बनाने के लिए कुकर बिल्कुल भी सही ऑप्शन नहीं है। कुकर को केक या कुकीज बेकिंग के लिए नहीं बनाया गया है। अगर आप फिर भी इसमें बनाते हैं तो आपको उतना स्वादिष्ट केक नहीं मिल पाएगा, जितना कि मिलना चाहिए था।(आरएनएस)

जिम जाने से पहले अपने बैग में ये चीजें रखना बिलकुल न भूलें

जब आप जिम जाए तो इन बातों का ध्यान रखें कि आप अपने वर्कआउट को किसी परेशानी के बिना पूरा करना चाहते हैं, तो अपने जिम बैग में कुछ एक्सेसरीज जरूर रखें, ताकि अपने फिटनेस लक्ष्य पर टिके रहे। ऐसा विशेषज्ञों का कहना है। फिटपास के सह संस्थापक और रूपोसो के फैशन क्यूरेटर आरुषि वर्मा का कहना है कि अपने जिम बैग में निम्नलिखित एक्सेसरीज को जरूर रखें।

*फोम रोलर्स एक किफायती उपकरण है, जो आपके दैनिक वर्कआउट सत्र में काफी मदद करता है। यह सरल और प्रभावी है। यह अलग-अलग प्रकार में उपलब्ध है, जिसमें ग्रिड, ब्लैक फोम रोलर और फर्म रंबल रोलर शामिल है।

*बाजार में आजकल फिटनेस आर्मबैंड की भारी मांग है, क्योंकि वे आपके स्मार्टफोन को सुरक्षित रखते हैं। जब आप बैंड की खरीदारी करें तो यह सुनिश्चित कर लें कि यह आपके स्मार्टफोन से संगत होगा। यह विभिन्न रंगों, भार और पैटर्न में उपलब्ध है। इसमें से जल प्रतिरोधी और अच्छी स्ट्रेच क्षमता वाले बैंड का चयन करें।

*वेट लिफ्टिंग ग्लब्स को ना भूलें। अगर आप नियमित रूप से वेट लिफ्टिंग वर्कआउट करते हैं, तो आप जानते होंगे कि आपके ग्रिप की सुरक्षा के लिए यह कितना महत्वपूर्ण है। इसमें आप अच्छी पकड़ वाले ग्लब्स का चयन करें, जो नमी को अच्छी तरह सोंख ले और वजन उठाने के लिए आपके उंगलियों पर अच्छी तरह पकड़ कायम कर ले।

*अपने वर्कआउट का लेखाजोखा रखना भी काफी जरूरी है, ताकि आप अपनी प्रगति पर नजर रख सकें। अपनी डायरी में सेट, रैप, वेट और आराम की अवधि आदि सभी प्रमुख रिकार्ड रखें।

*अगर आप रियल टाइम में अपने हर कदम की प्रगति पर नजर रखना चाहते हैं तो एक बढ़िया हार्ट रेट मॉनिटर जरूर अपने जिम बैग में रखें। आप इसका इस्तेमाल कार्डियो और लिफ्टिंग सेशन में कर सकते हैं, ताकि अपने दिल की धड़कन पर नजर रख सकें और वांछित क्षेत्र में रह सकें।

बेदाग त्वचा के लिए ऐसे लगाएं एलोवेरा जेल

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जिसका उपयोग हजारों सालों से त्वचा की जलन और घावों से आराम देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि इसके इस्तेमाल से चेहरे पर पड़े मुंहासों के निशान भी दूर हो सकते हैं। इसका अधिकतर इस्तेमाल क्रीम, फेसवॉश व शैंपू में भी किया जाता है। चेहरे के लिए फेस पैक बनाएं या फिर इसे सीधे लगाएं, यह कम समय में ही अपना कमाल दिखाता है। यदि आपके चहरे पर मुंहासों से काला निशान छोड़ दिया है, तो आप एलोवेरा जेल को कई तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। यहां जानें कुछ खास फेस पैक बनाने का तरीका...

मुंहासों के निशान को इस तरह से हल्का करता है एलोवेरा

2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि, मुसब्बर वेरा में एलोसिन नामक एक यौगिक पाया जाता है, जो मुंहासों से पैदा हुए हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करने में मदद कर सकता है। एलोसिन मेलेनिन (गहरा निशान) के अतिप्रवाह को कम करने में मदद करता है।

प्योर एलोवेरा

रिसर्च के अनुसार,एलोवेरा में कुछ विशेषताएं पाई जाती हैं, जो इसे मुंहासों से लड़ने में प्रभावी बना सकती हैं। स्किन से मुंहासों को रोकने के लिए एक आप इसका प्रयोग सीधे स्किन पर कर सकती हैं। इसमें एंटीबैक्टीरियल एजेंट है, जो त्वचा से बैक्टीरिया को हटाता है। चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाकर रातभर के लिए छोड़ने से धीरे-धीरे मुंहासे कम होने लगते हैं।

एलोवेरा और नींबू का रस

एलोवेरा को विभिन्न सौंदर्य प्रसाधनों जैसे कि बॉडी स्क्रब और फेस मास्क बनाने के लिए नींबू के साथ मिलाया जा सकता है। नींबू में पाया जाने वाला साइट्रिक एसिड मुंहासों के इलाज में मदद करता है। शुद्ध नींबू का रस अम्लीय होता है, इसलिए इसे एलोवेरा के साथ मिलाने से नींबू का रस त्वचा में जलन को रोक सकता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस के साथ एलोवेरा जेल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। लगभग 10 मिनट तक छोड़ने के बाद चेहरे को पानी से धो लें।

एलोवेरा और टी-ट्री ऑयल

चेहरे के लिए टी-ट्री ऑयल जैल और फेस वॉश बेहद प्रभावी होते हैं। टी-ट्री ऑयल को एलोवेरा जेल के साथ मिलाकर लगाने से स्किन के पोर्स साफ होते हैं और उनमें जमा हुए बैक्टीरिया का खात्मा होता है। इसे एक क्लींजिंग सॉल्यूशन के तौर पर लगाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए पानी, एलोवेरा और 2 से 3 बूंदें टी-ट्री ऑयल की मिलाएं। फिर इसे चेहरे पर 10 मिनट लगाकर पानी से धो लें।

एलोवेरा स्प्रे

एलोवेरा में हाइड्रेटिंग गुण मुंहासे से निपटने में मदद कर सकते हैं। एलोवेरा स्प्रे बनाने के लिए लगभग 2 भाग पानी को 1 भाग एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं। फिर इसे एक स्प्रे बोतल में भरें औरप्रभावित क्षेत्र पर स्प्रे करें। इसे आंख के आस-पास छिड़कने से बचें।

हेडफोन या ईयरफोन, आपके लिए कौन सा है ज्यादा बेहतर ?

गैजेट फ्रेंडली इस जनरेशन में हर कोई लेटेस्ट गैजेट्स खरीदना चाहता है, चाहे लेटेस्ट फोन हो, ईयरफोन हो या हेडफोन हो आजकल अधिकतर लोग लेटेस्ट गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कानों में लंबे समय तक ईयरफोन या हेडफोन लगाने से आपको कई नुकसान भी पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आपको ईयरफोन या हेडफोन का इस्तेमाल करना है तो इसमें से कौन सा बेहतर है और किससे आपके कानों को कम नुकसान पहुंचता है, आइए हम आपको बताते हैं।

ईयरफोन और हेडफोन में अंतर

सबसे पहले आपको बताते हैं कि ईयरफोन और हेडफोन में अंतर क्या होता है? ईयरफोन कान के अंदर पहने जाते हैं, यह वायरलेस हो सकते हैं या बाहर वायर होते हैं और आजकल तो ईयरपॉड्स का भी खूब चलन है, जिसे लोग कानों के अंदर पहनते हैं। वहीं, हेडफोन सिर के ऊपर से लगाए जाते हैं और यह पूरे कान को कवर करते हैं, लेकिन अंदर तक नहीं जाते हैं।

ईयरफोन बनाम हेडफोन क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

यूं तो ईयरफोन और हेडफोन दोनों ही कानों को नुकसान पहुंचाते हैं और अगर लंबे समय तक इन्हें पहनकर रखा जाए तो इससे नॉइस इंड्यूस्ड हियरिंग लॉस की समस्या भी हो सकती है। लेकिन एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि ईयरफोन को ईयर केनाल के अंदर डाला जाता है, ऐसे में वह कान में मौजूद वैक्स को गहराई में ढकेल सकता है जिससे कानों में ब्लॉकेज हो सकती है। दूसरा यह सीधे हमारे कानों के पर्दों को प्रभावित करता है, ऐसे में इसकी वॉल्यूम बढ़ाने से कान को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इतना ही नहीं ईयरफोन को पहनने से कान पूरी तरह से बंद हो जाते हैं जिससे नमी के कारण संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

ईयरफोन या हेडफोन में से हमें क्या पहनना चाहिए इसे लेकर एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ समय के लिए ईयरफोन की जगह हेडफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि यह कानों के अंदर तक नहीं जाता है, जिससे नमी या नॉइस इंड्यूस्ड हियरिंग की समस्या नहीं होती है। हालांकि, हेडफोन का यूज करते समय इसकी वॉल्यूम अधिकतम 6० प्रतिशत तक ही होनी चाहिए। अगर आपके फोन या लैपटॉप में नॉइस कैंसिलेशन का ऑप्शन है, तो इसे भी आपको इस्तेमाल करना चाहिए। (आरएनएस)

गैर-बराबरी के आंकड़े

साल 2०22-23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या 49।4 प्रतिशत बढ़ी। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1।4 प्रतिशत बढ़ी। गुजरे वित्त वर्ष के लिए फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न के आंकड़ों ने एक बार फिर से भारत में आमदनी की बढ़ रही गैर-बराबरी की कहानी बयान की है। हालांकि अभी तक सरकार ने 3० जून तक फाइल हुए रिटर्न्स के आंकड़े ही जारी किए हैं, इसके बावजूद कहा जा सकता है कि उससे जो ट्रेंड दिखा है, उसमें अंतिम आंकड़ों से भी ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। यह कहने का आधार बड़ी कंपनियों के मुनाफे और डिविडेंड वितरण का रुझान भी है। इन सबकी दिशा यही बताती है कि अर्थव्यवस्था का अंग्रेजी के अक्षर के जैसा स्वरूप लगातार मजबूत होता जा रहा है। मतलब यह कि ऊपर के हिस्से पर मौजूद छोटी-सी आबादी की आय और धन दोनों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जबकि निचली डंडी पर मौजूद लोग गतिरुद्ध अवस्था में हैं। आय कर रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने बताया है कि 2०22-23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या में 49।4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1।4 प्रतिशत बढ़ी। चूंकि आईटी रिटर्न्स से उन लोगों के हाल के बारे में मालूम नहीं होता, जिन्हें इन्हें फाइल करने की औपचारिकता पूरी करने की मजबूरी नहीं है। अभी अंतिम आंकड़े सामने नहीं हैं, लेकिन पिछले वित्त वर्षों के आधार पर अनुमान लगाएं, तो 14० करोड़ की आबादी में रिटर्न फाइल करने वाले लोगों की संख्या अधिकतम साढ़े आठ से नौ करोड़ से ज्यादा नहीं होगी। बाकी लोगों की वास्तविक आय घटने और इसके कारण उनके बीच मांग और उपभोग की गिरावट पिछले कई वर्षों से एक स्थायी कहानी बनी हुई है। दूसरी तरफ एक करोड़ रुपये से अधिक की सालाना आय वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, तो इसका सीधा कारण कुछ खास क्षेत्रों की कंपनियों के शेयर भाव में भारी इजाफा और उसके आधार पर शेयरधारकों को दिया गया ज्यादा डिविडेंड है। वैसे यह वितरण भी खासा असमान रहा है। परंतु यह बड़ा मसला आम चर्चा में कहीं नहीं है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सेहत पर भारी पड़ सकती है चाय की दीवानगी!

अगर आप भी चाय के दीवाने हैं, दिनभर में कई-कई कप चाय पी जाते हैं तो संभल जाएं। यह सेहत के लिए गंभीर रूप से खतरनाक हो सकता है। कुछ अध्ययन में बताया गया है कि अगर लिमिट में चाय पी जाए तो वह फायदेमंद हो सकती है लेकिन अगर ज्यादा चाय पी रहे हैं तो इसके कई नुकसान हो सकते हैं। ज्यादा चाय पीने से चिंता, नींद की समस्या और सिरदर्द जैसे समस्याएं हो सकती है। रिसर्च में पाया गया है कि चाय में कुछ ऐसे यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर से कुछ पोषक तत्वों के अवशोषित कर सकते हैं। इसमें से सबसे प्रमुख आयरन है। आइए जानते हैं ज्यादा चाय पीने से क्यों सावधान रहना चाहिए।

शोध में पाया गया है कि चाय में टैनिन नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो कुछ चीजों में आयरन से बाइंड हो जाता है। यह पाचन तंत्र से आयरन अवशोषित कर उसे प्रभावित कर सकता है। जब शरीर में आयजन की कमी हो जाती है, तब एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है। इसकी वजह से थकान और कमजोरी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए जिन लोगों में पहले से ही आयरन की कमी है, उन्हें चाय कम पीनी चाहिए।

नींद को प्रभावित कर सकती है चाय

चाय में कैफीन पाया जाता है, जिसकी ज्यादा मात्रा शरीर में पहुंचने से नींद की समस्या हो सकती है। शोध से पाया गया है कि कैफीन मेलाटोनिन उत्पादन पर ब्रेक लगा सकता है। इससे नींद खराब हो सकती है। मेलाटोनिन हार्मोन मस्तिष्क को संकेत देता है कि अब सोने का समय हो गया है। जब नींद नहीं पूरी होती, तब मानसिक और शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

चाय में मौजूद कैफीन शरीर में पहुंचने पर हार्ट बर्न जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। शोध के मुताबिक, कैफीन की वजह से पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ सकता है। इससे एसिड रिफलक्स और हार्ट बर्न की परेशानी हो सकती है। शोध में यह भी पाया गया है, जिन लोगों में पहले से ही ये दोनों समस्याएं हैं, ज्यादा कैफीन के सेवन से उनमें और भी समस्याएं हो सकती हैं।

अगर कोई महिला प्रेग्नेंट है तो उसे ज्यादा चाय पीने से परहेज करना चाहिए। इसकी वजह से गर्भपात ही नहीं जन्म के समय बच्चे को वजन में कमी की समस्या हो सकती है। गर्भावस्था में कैफीन से क्या नुकसान हो सकते हैं, इसका अभी तक स्पष्ट डेटा नहीं है। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह कितना सुरक्षित है। हालांकि, ज्यादातर रिसर्च में पाया गया है कि हर दिन 2००-3०० मिलीग्राम से कम ही कैफिन का सेवन करना चाहिए।(आरएनएस)

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

शब्द सामर्थ्य -019

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■ 10		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■ 14	14		■	15				
16		■	■ 18		■ 20	■		■
17			18		■	19		■ 24
	■ 25	■		■	20	■	■ 26	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 18 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

फरहान खान की डॉन 3 में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी!

जब से फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रैंचाइजी डॉन के तीसरे भाग डॉन 3 का ऐलान हुआ है, यह चर्चा में है। इसमें रणवीर सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगे।ताजा जानकारी के मुताबिक, डॉन 3 में रणवीर के साथ कियारा आडवाणी की जोड़ी बनेगी। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने मुख्य महिला की भूमिका निभाने के लिए कियारा से संपर्क साधना शुरू कर दिया है।फिल्म की शूटिंग 2024 के मध्य में शुरू होगी। हालांकि, खबर की पुष्टि होना बाकी है।

सूत्र ने कहा, कियारा को डॉन 3 में मुख्य महिला की भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। अभिनेत्री को कल एक्सेल एंटरटेनमेंट के कार्यालय में देखा गया था। कियारा को फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और उन्होंने हामी भी भर दी है।उन्होंने कहा, वह रणवीर के साथ डॉन की इस रोमांचक दुनिया का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं, जिनके साथ उन्होंने हमेशा काम करने का सपना देखा है। फिल्म में कियारा नकारात्मक किरदार निभाएंगी।

कियारा को पिछली बार फिल्म सत्यप्रेम की कथा में देखा गया था। इसमें उनकी जोड़ी कार्तिक आर्यन के साथ बनी थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।मौजूदा वक्त में कियारा साउथ अभिनेता राम चरण की गेम चेंजर को लेकर चर्चा में हैं।दूसरी ओर, रणवीर निर्देशक रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में नजर आएंगे।इसके अलावा संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा भी रणवीर के खाते से जुड़ी है।

मालविका मोहनन का फर्स्ट-लुक पोस्टर थंगालन से जारी किया गया

जाने-माने अभिनेता विक्रम मनोरम अवधि के ग्रामीण नाटक थंगालान के लिए प्रशंसित फिल्म निर्माता पा रंजीत के साथ जुड़ गए हैं। फिल्म ने अपने दिलचस्प मेकिंग वीडियो की रिलीज के बाद काफी उम्मीदें जगाई हैं।

मुख्य अभिनेत्री मालविका मोहनन के जन्मदिन के अवसर पर, टीम ने उनके फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया। मालविका एक डी-ग्लैमराइज़्ड भूमिका में चौंकाती हैं, एक आदिवासी महिला का किरदार निभाती हुई प्रतीत होती हैं, जो आगामी ब्लॉकबस्टर में आकर्षण का माहौल जोड़ती है।

कोलार गोल्ड फील्ड्स की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरणा लेती है। नीलम प्रोडक्शंस और स्टूडियो ग्रीन प्रोडक्शन में पार्वती थिरुवोथु और पसुपति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीवी प्रकाश कुमार के संगीत कौशल के साथ, थंगालान एक सम्मोहक सिनेमाई अनुभव का वादा करता है।

रवि तेजा की फिल्म टाइगर नागेश्वर राव हिंदी में भी रिलीज होगी

रवि तेजा का नाम साउथ के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार है। मौजूदा वक्त में रवि अपनी आने वाली पहली पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव को लेकर चर्चा में हैं। अब निर्माताओं ने टाइगर नागेश्वर राव का टीजर जारी कर दिया है, जो एक्शन से भरपूर है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। टाइगर नागेश्वर राव हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

टाइगर नागेश्वर राव का निर्देशन वामसी द्वारा किया जा रहा है, जबकि अभिषेक अग्रवाल फिल्म के निर्माता हैं।यह फिल्म इसलिए खास क्योंकि टाइगर नागेश्वर राव के जरिए कृति सैनन की बहन नूपुर सैनन पैन इंडिया डेब्यू करने जा रही हैं। यह तेलुगु इंडस्ट्री में भी उनकी पहली फिल्म होगी।इसमें गायत्री भारद्वाज भी अहमी भूमिका में नजर आएंगे। टाइगर नागेश्वर राव एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें आपको जबरदस्त एक्शन दृश्य देखने को मिलेंगे।

रवि तेजा का फर्स्ट लुक आज सोशल मीडिया पर रिलीज हुआ जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फर्स्ट लुक पोस्ट में रवि तेजा टाइगर की तरह रोर करते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में रौब है और चेहरे पर गुस्सा। मेकर्स ने रवि तेजा को इंडिया इज बिगेस्ट थीफ बताया है।

फिलहाल फैंस एक्टर की इस फिल्म के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। वामसी के डायरेक्शन में बनी पीरियड फिल्म कुख्यात चोर टाइगर नागेश्वर राव की लाइफ पर बेस्ड है। अपकमिंग ड्रामा को 1970 के दशक में सेट किया गया है।

दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म के टीजर को बॉलीवुड एक्टर ज़न अब्राहम ने अपनी आवाज दी है। हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ने इसका वीडिया आर्ट्स के इंस्टा अकाउंट से शेयर किया था। वीडियो में जॉन फिल्म के टीजर का वॉयसओवर करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अभिषेक ने कैप्शन में लिखा है, बॉलीवुड के हैंडसम हंक जॉन अब्राहम टाइगर नागेश्वर राव को हिंदी में अपनी आवाज में पेश करेंगे। फिल्म में टाइगर नागेश्वर राव के अलावा प्रवीण दाचारम, रेणु देसाई, मांडवा साई कुमार और राजीव कुमार अनेजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जीवी प्रकाश कुमार ने फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी संभाली हैं जबकि आर मधी आईएससी सिनेमैटोग्राफी डिपार्टमेंटनेट संभाल रहे हैं। अविनाश कोल्ला प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और श्रीकांत विसा डायलॉग राइटर हैं।

पायलट बने ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण!

दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन साथ में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दोनों को साथ में देखने के लिए फैंस कबसे इंतजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म होने जा रहा है। दीपिका और ऋतिक साथ में फिल्म फाइटर में नजर आने वाले हैं। आज इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। जिसमें ऋतिक, दीपिका और अनिल तीनों इंडियन एयरफोर्स ऑफिसर के लुक में नजर आ रहे हैं। दीपिका ने सोशल मीडिया पर मोशन पोस्टर शेयर किया है।

सस्पेंस और उत्साह के बढ़ने के साथ, भारतीय सिनेमाघर अपने आप को फाइटर के रिलीज के लिए तैयार कर रहे हैं, बता दें कि यह एरियल एक्शन के क्षेत्र में देश का पहला प्रयास है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस के साथ, फाइटर के पहले मोशन पोस्टर से पर्दा उठाते हुए अपने पंख फैला दिए हैं, जिसका टाइटल स्पिरिट ऑफ फाइटर है। सावधानी से तैयार किया गया यह टीज़र देशभक्ति के उत्साह से गूंजता है, जो राष्ट्र के स्मरणोत्सव की भावनाओं के साथ सहजता से मेल खाता है।

पहले ही शानदार टाइटल वाले पोस्टर से दर्शकों की कल्पना को नई उड़ान देने के बाद, निर्माताओं ने अब पहले मोशन पोस्टर का खुलासा किया है, जिसमें लीड स्टार कास्ट को देखा जा सकता है, खास बात यह है कि महत्वपूर्ण अवसर 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के साथ मेल खाता है। यह पोस्टर एक सारांश में एक्शन, थ्रिल और एडवेंचर की झलक दिखाता है, साथ ही यह पूरी तरह से देशभक्ति और भावनाओं को प्रोत्साहित करता है। इसकी खास बात यह भी है कि मोशन पोस्टर में वन्दे मातरम् का एक नया रूप है, जो हर भारतीय के दिल को छू लेगा। निर्माताओं ने फाइटर को बड़े-स्क्रीन के सिनेमाई अनुभव के लिए डिज़ाइन किया है। इसे कई असल जगहों पर शूट किया गया है और ग्लोबल स्क्रीन के लिए पहले कभी न देखे गए सीन्स को हासिल करने के लिए लेटेस्ट सिनेमाई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। वहीं, फिल्म में सुपरस्टार ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर कर रहे हैं और वॉर और पठान की जबरदस्त सफलता के बाद सिद्धार्थ आनंद की उम्मीदें बढ़ गई हैं। यह फिल्म असल में सबसे अच्छी प्रतिभा, टेक्नोलॉजी और कहानी कहने की कला को एक साथ आने को परिभाषित करती है। मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, फाइटर सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित है और इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल में नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

देवरा 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी

पिछले दिनों सैफ अली खान के बर्थडे पर साउथ स्टार जूनियर एनटीआर ने उन्हें विश किया। साथ ही देवरा से उनका फर्स्ट लुक भी रिलीज किया। फिल्म में एक्टर भाइरा के रोल में दिखेंगे। एनटीआर ने लिखा, हैप्पी बर्थडे सैफ सर। इस पोस्टर में सैफ लंबे बाल में नजर आ रहे हैं। एनटीआर का लुक तो पहले ही मेकर्स रिलीज कर चुके थे।

इसी के साथ ट्विटर पर सैफ अली खान ट्विटर पर ट्रेंड करने लगे। फैंस उन्हें विश कर रहे हैं और देवरा के पोस्टर की भी तारीफ कर रहे हैं। लगातार

आखिरी बार सैफ अली खान प्रभास की आदिपुरुष में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने लंकेश का रोल प्ले किया था। हालांकि फिल्म को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बता दें देवरा अगले साल 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी।

बात करें देवरा की तो ये फिल्म कई मायनों में खास है। पहला मौका होगा जब एनटीआर और सैफ साथ में काम कर रहे हैं तो ये जान्हवी कपूर भी एक्टर के अपोजिट नजर आएंगी। ये फिल्म एनटीआर आर्ट्स और युवा सुधा आर्ट्स बैनर तले बनी है जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर ने म्यूजिक दिया है।

राजवीर देओल का पालोमा ढिल्लों संग दिखा रोमांटिक अंदाज

जहां सनी देओल इन दिनों गदर 2 को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं, वहीं उनके बेटे राजवीर देओल भी अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार है। पिछले कुछ दिनों से वह अपनी पहली फिल्म दोनों को लेकर चर्चा में हैं।इसमें उनकी जोड़ी पूनम ढिल्लों की बेटी पालोमा के साथ बनी है। जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर दोनों का मुख्य गाना साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, राजश्री का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रेम गीत यहां है। इस गाने को अरमान मलिक ने गाया है।दोनों जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।यह फिल्म इसलिए भी ज्यादा खास है क्योंकि दोनों के जरिए जाने-माने निर्देशक सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

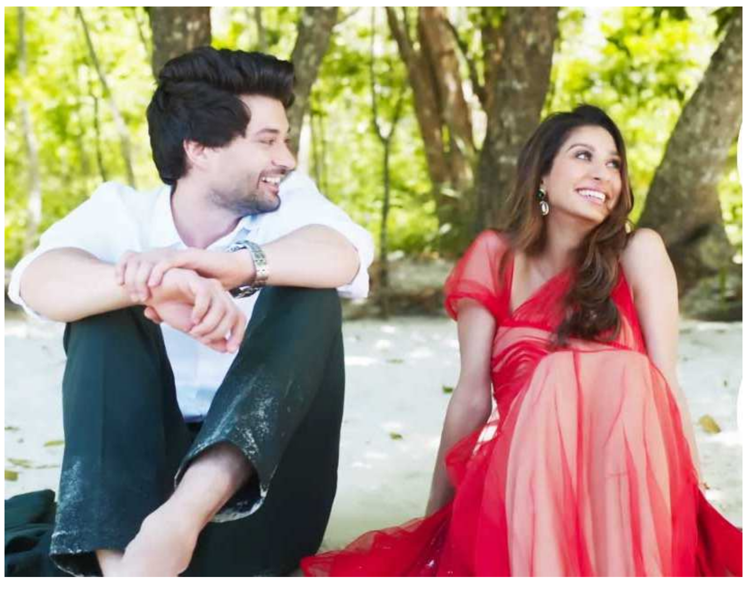

गौरतलब है कि इन दोनों के माता-पिता भी पहले फिल्म में नायक-नायिका के तौर पर नजर आ चुके हैं। सनी देओल और पूनम ढिल्लों ने साल 1984 में आई लव स्टोरी फिल्म सोहनी महिवाल में लीड रोल प्ले किया था। अब दोनों के बच्चे एक साथ फिल्म करने जा रहे हैं। मेकर्स ने राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज कर दिया है।

इस पोस्टर में राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया बीच पर बैठे और उनकी पीठ कैमरे की तरफ है। फिल्म दोनों के पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये रोमांटिक फिल्म होगी। राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों के डायरेक्शन की जिम्मेदारी सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या के कंधे पर है। फिल्म दोनों से अवनीश एस बड़ज़ात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म दोनों राजश्री प्रोडक्शन की 59वीं फिल्म है। बताते चलें कि अवनीश एस बड़ज़ात्या ने इससे पहले साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म प्रेम रतन धन पायो में असिस्टेंट डायरेक्टर और फिल्म ऊंचाई में एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है।

यह फिल्म एक ताज़ा प्रेम कहानी होगी जो आपको मैंने प्यार किया के आकर्षण को फिर से देखने पर मजबूर कर देगी।

मोदी के आत्मविश्वास का कारण क्या है?

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियां इसे अहंकार कह रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस या दूसरी विपक्षी पार्टियों को अपनी बात कहने के लिए भले लाल किले का मंच नहीं मिला है लेकिन हर मंच से वे कह रही हैं कि अगली बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनेगी। अगर विपक्ष का यह कहना कि अगली बार हमारी सरकार बनेगी अहंकार नहीं है तो मोदी का यह कहना कि हम फिर लाल किले से झंडा फहराएंगे अहंकार कैसे है?

असल में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। अब सवाल है कि मोदी के इस आत्मविश्वास का क्या कारण है? किस आधार पर उन्होंने लाल किले से यह ऐलान कर दिया कि अगली बार भी वे झंडा फहराएंगे और अपनी उपलब्धियां बताएंगे? इस सवाल का जवाब लाल किले पर दिए उनके 1०वें भाषण से ही मिलता है। उन्होंने अपने 1०वें भाषण से अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का एजेंडा तो तय किया ही साथ ही भाजपा की ओर से पिछले 1० साल में बनाए जा रहे लोकप्रिय विमर्श को बहुत बड़ा विस्तार दे दिया। पिछले साल यानी आजादी के अमृतवर्ष में लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने 25 साल का विजन रखा था। उन्होंने कहा था कि अगले 25 साल अमृत काल के हैं और 2०47 में जब देश की आजादी के एक सौ साल पूरे होंगे तब तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। एक साल के बाद उन्होंने इस 25 साल को अगले एक हजार साल के स्वर्णिम और भव्य भारत के निर्माण की आधारशिला बनाने वाले वर्षों में तब्दील कर दिया। उन्होंने अपने या अपनी पार्टी के लिए सिर्फ अगला कार्यकाल नहीं मांगा है, बल्कि अगले 25 साल यानी पांच कार्यकाल मांगे हैं। ताकि उस अवधि में ऐसे फैसले किए जा सकें, जिनसे स्वर्णिम और भव्य भारत का निर्माण हो। इसका मतलब है कि अब भारत को सिर्फ विकसित राष्ट्र नहीं बनाना है। विकसित राष्ट्र तो दुनिया में बहुत से हैं। अब वैसा स्वर्णिम और भव्य भारत बनाना है, जो एक हजार साल की गुलामी से पहले था। प्रधानमंत्री ने बहुत बारीक तरीके से यह बात कही। पहले उन्होंने एक हजार साल की गुलामी का जिक्र किया, जिसका नैरेटिव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से दशकों से बनाया जाता रहा है। एक हजार साल की गुलामी का मतलब है आठ सौ साल मुसलमान शासकों की गुलामी और दो सौ साल अंग्रेजों की गुलामी। इसका जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक हजार साल पहले एक छोटे से राज्य में एक राजा की पराजय हुई थी और उस हार ने एक हजार साल के लिए भारत की गुलामी का भविष्य तय कर दिया था। उनके यह कहानी बताने का मकसद यह था कि फिर वैसी हार नहीं होनी चाहिए, जिससे गुलामी का भविष्य बने। इस नैरेटिव का दूसरा पहलू यह है कि एक हजार साल की गुलामी से पहले का भारत कैसा था? वह स्वर्णिम था, भव्य था और उसमें मुस्लिम, ईसाई, सिख कोई नहीं था। वह आर्थिक रूप से समृद्ध एक हिंदू राष्ट्र था। प्रधानमंत्री ने एक हजार साल की गुलामी का इतिहास और अगले हजार साल के भविष्य का नैरेटिव सेट करने के तुरंत बाद युवा शक्ति की बात की। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने ऐसा अवसर है, जैसा कभी किसी के आगे नहीं रहा होगा। साथ ही उन्होंने उम्मीद भी जताई कि युवा इस अवसर को गंवाएंगे नहीं। वे चाहे जिस संदर्भ में युवाओं के अवसर की बात कर रहे हों लेकिन असल अपील यह थी कि युवाओं के सामने फिर से मोदी सरकार चुनने का अवसर का है।

ध्यान रहे पिछले 1० साल में देश के युवाओं के बड़े समूह को कई तरह के प्रचार, नैरेटिव और सोशल मीडिया के जरिए समझाया गया है कि मोदी के कार्यकाल में भारत का वैभव बढ़ रहा है और हिंदू राष्ट्र बनाने का वास्तविक अवसर सामने है। उस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना है। उन युवाओं को एक हजार साल में स्वर्णिम, भव्य और गौरवशाली भारत बनाने का सपना आकर्षित करेगा। ध्यान रहे मोदी उम्मीदों या आकांक्षाओं की राजनीति करने में सबसे माहिर राजनेता हैं। इससे पहले के दोनों चुनाव अभियान में उन्होंने देश के लोगों की आकांक्षाओं को बहुत अच्छे तरीके से इस्तेमाल किया। अब उन्होंने नई आकांक्षाएं पैदा कर दी हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें वे ही पूरा कर सकते हैं। उनके आत्मविश्वास को जाहिर करने वाली दूसरी अहम बात उनके भाषण में यह थी कि उन्होंने 2०14 और 2०19 के चुनावों में भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत का जिक्र किया और कहा कि उससे पहले की 3० साल की राजनीतिक अस्थिरता से सबक सीख कर देश के लोगों ने स्थिर सरकार चुनी थी। मोदी ने कहा कि लोगों ने पूर्ण बहुमत की सरकार फॉर्म की तो सरकार को रिफॉर्म करने की हिम्मत मिली, जिससे देश ट्रांसफॉर्म हुआ। इसके कंट्रास्ट में दूसरी ओर देखेंगे तो अपने आप इस नैरेटिव का महत्व समझ में आएगा। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में कोई पार्टी ऐसी नहीं दिख रही है, जो बहुमत के आसपास भी पहुंच सके। 1991 के बाद पिछले 32 साल में कांग्रेस का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2०7 सीट का रहा है। सो, सबको अंदाजा है कि विपक्ष की सरकार अगर बनती है तो वह खिचड़ी सरकार होगी। यह अलग बात है कि 2०14 से पहले की खिचड़ी सरकारों ने ज्यादा बेहतर काम किया था और लोकतंत्र को ज्यादा मजबूत किया था। लेकिन जनता आमतौर पर उतने वस्तुनिष्ठ तरीके से नहीं सोचती है। उसके सामने मोदी ने स्थिर और मजबूत सरकार बनाम कमजोर और खिचड़ी सरकार चुनने का विकल्प पेश किया है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विश्वगुरू की बजाय विश्वमित्र या विश्व के अटूट साथी का जुमला बोला। यह पिछले कई बरसों से बनाए जा रहे नैरेटिव का हिस्सा है, जिसमें बार बार कहा जाता है कि मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का महत्व बढ़ा है और दुनिया अब भारत को पहले से ज्यादा सम्मान से देखती है। मोदी ने अपने भाषण में बताया कि कैसे दुनिया भारत के विकास को लेकर चमत्कृत है और भारत के साथ जुड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि जैसे दूसरे महायुद्ध के बाद एक नई विश्व व्यवस्था बनी थी वैसे ही कोरोना के बाद एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है, जिसमें भारत का अहम स्थान है और यह उनकी वजह से संभव हुआ है। सोचें, इस पैमाने पर मोदी के मुकाबले विपक्ष के पास कौन नेता है? प्रधानमंत्री ने इस बार अपने भाषण में देश के 14० करोड़ लोगों को 'प्रिय परिवारजन' कह कर संबोधित किया। देश की बहुसंख्यक आबादी का बड़ा हिस्सा, जो मोदी को पिछले करीब ढाई दशक से हिंदू हृदय सम्राट के रूप में देखता है उस समूह को यह संबोधन मोदी के और करीब ले आएगा। इसके अलावा जो बातें हैं वह तो हैं ही। मोदी ने 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने अपने प्रचार के दम पर और मीडिया की मदद से समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका जवाब देना होगा। इसके अलावा सरकार की योजनाएं हैं, करोड़ों लाभार्थी हैं, भाजपा की मशीनरी है, संसाधन है, मोदी का व्यक्तित्व है, उनकी प्रचार करने और भाषण देने की असीमित क्षमता है और ऐसी अनेक चीजें हैं, जो उनको आत्मविश्वास देती हैं। हालांकि चुनाव में यह सब होना भी जीत की गारंटी नहीं होती है। भारत में पहले कई बार ऐसा हो चुका है कि जब सत्ता में बैठे नेता जीत के सर्वाधिक भरोसे में होते हैं तो जनता उनको झटका देती है। सो, मोदी का आत्मविश्वास अपनी जगह है और मतदाताओं का फैसला अपनी जगह होगा, जो किसी वजह से अलग भी हो सकता है।

सू- दोकू क्र. 019

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 18 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

दुनिया की सुदंरतम जगहों में बरबादी!

श्रुति व्यास

अमेरिका का प्रांत हवाई! और दृश्य और तस्वीरें,बर्बादी हृदय विदारक। नीले और सफेद रंगों से सराबोर रहने वाले इस द्वीप में विनाशकारी आग की लपटों से बहुत बड़ा इलाका जल कर खाक हो गया है। उन्नीसवीं सदी के हवाइयन साम्राज्य की राजधानी लहेना लगभग पूरी तरह नष्ट है।

जंगल में लगी आगने लहेना की सुंदरता छीन ली है। यह आग अमेरिका में पिछले सौ सालों में सबसे भयावह थी। इस दुनिया को अलविदा कहने से पहले जिन जगहों पर हम जाना चाहते हैं, जिन्हें देखना और अनुभव करना चाहते हैं, ऐसी जगहों की हम सब की सूची में हवाई का नाम ज़रूर होता है। पर यह सूची छोटी होती जा रही है। और इसका मुख्य कारण है मौसम। हर बीतते दिन के साथ मौसम ख़राब, और ख़राब होता जा रहा है, अधिकाधिक विनाशकारी होता जा रहा है। ऐसे बहुत से स्थान जहां हम-आप जाना चाहते हैं, क्लाइमेट चेंज का दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। इस साल इटली में गर्मी का प्रकोप हमारी दिल्ली से भी ज्यादा था। ग्रीस में भी असहनीय गर्मी है। वहीं ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमरीका और चीन के कई भागों में अनवरत बारिश ने तबाही मचा रखी है। खबरों को देखकर और लेख पढ़कर कर यह सोचना पड़ रहा है कि कौनसी जगह जाने लायक बची है। बहुत सी जगहें जंग के कारण इस सूची से बाहर हो गई हैं और अब बहुत सी जलवायु संबंधी उथलपुथल के कारण हो रही हैं।

हवाई और लहेना में भी यही हुआ। लगभग पूरा हवाई पिछले एक साल से सूखे से जूझ रहा है और माउई में हालात पिछले कुछ हफ्तों में और बुरे हो गए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुनिया भर में बढ़ते तापमान और सूखे ने हवाई के कुछ इलाकों को सूखे भूसे का के ढेर में तब्दील कर दिया है, जिसे आग पकड़ते देर नहीं लगती। नजदीकी इलाके में आए एक तूफान के कारण चली तेज हवाओं ने हालात और बदतर बना दिए। इस इलाके में गर्मी और सूखे का प्रकोप इतना ज्यादा था कि माउई के किहेइ नाम के शहर में धूप की गर्मी से खम्भों पर लगीं ट्रेफिक लाईटें तक पिघल गईं!

एक अन्य वजह यह थी कि लहेना के पास बड़ी कृषि भूमि को खाली छोड़ दिया गया था। चूंकि इस भूमि की देखभाल करने वाला कोई नहीं था इसलिए इस पर घास, झाड़ियां आदि ऊग आईं जो जल्दी आग पकड़ती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार खेती या पशुपालन की ज़मीन को खाली छोड़ देने पर वह ज्वलनशील बन जाती है। अमरीका और भूमध्य सागर क्षेत्र में हाल में हुए घातक अग्निकांडों के पीछे यही मुख्य कारण था।

हवाई में लोगों को इस बात की जानकारी थी। हवाई के अधिकारियों ने गत वर्ष एक रपट जारी की थी जिसमें प्राकृतिक आपदाओं को वहां के निवासियों के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया था। इनमें सूनामी, भूकंप और ज्वालामुखी प्रमुख थे। इस बहुरंगी चार्ट में स्टेट इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने जंगल की आग से मानव जीवन को उत्पन्न होने वाले खतरे का जिक्र सबसे अंत में करते हुए उसे 'लो' माना था।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक मृतकों की संख्या 89 हो चुकी है और इसमें बढ़ोत्तरी होना निश्चित है। वहीं लहेना के पुनर्निर्माण पर 5.52 अरब डॉलर का खर्च होने का अनुमान है। एक वजह लापरवाही भी थी। लोगों को आग के खतरे की चेतावनी देने के लिए जो सायरन लगाए गए थे वे बजे ही नहीं। आपात स्थिति के जो संदेश मोबाइल फोनों पर और टीवी व रेडियो पर प्रसारण हेतु भेजे किए गए वे बिजली कटने की वजह से पहुंच ही नहीं सके।

सूखे, ज्वलनशील पदार्थों की अधिक मौजूदगी, तेज हवाओं और लापरवाही - इन सबको त्रासदी का कारण माना जा रहा है। लेकिन क्या हम इससे कुछ सबक लेंगे? विनाशकारी आगें अब आम होती जा रही हैं - अमेजन वनों से लेकर सरिस्का तक, लगभग हर महाद्वीप में तापमान बढ रहा है, और सूखे के हालात लगभग हमेशा रहते हैं। भविष्य लपटों भरा है ! हमारे शहरों में तो खतरा और ज्यादा है। सभ्यताएं और इतिहास उजड़ रहे हैं, भविष्य में क्लाइमेट चेंज का असर कई गुना बढ़ने वाला है, लेकिन हमें क्या इसकी जरा सी भी फिक्र है?

गदर 2 फिल्म में पाकिस्तानी जनरल का अभिनय करने वाले मनीष वाधवा पहुंचे हरिद्वार। मां गंगा में अपने ससुर की अस्थियों को विसर्जित किया। तीर्थ पुरोहित अनमोल पंडित, कन्हैया लाल ने कराया कर्मकांड।

हजारों डालर के गबन के मामले में न्यायालय के आदेश पर केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून । हजारों डालर के गबन के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चरण सिह नेगी पुत्र स्व0 श्री दर्शन सिह नेगी , शाखा प्रबंधक , ट्रान्सकार्प कम्पनी लिमिटेड क्वालिटी काम्लैक्स , राजपुर रोड ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि ट्रान्सकार्प कम्पनी लि0 अधिकृत डीलर श्रेणी दितीय पर आर बीआई के द्वारा लाईसेंस प्राप्त है । उक्त कम्पनी मे सुमित अरोडा पुत्र विनोद अरोडा निवासी लक्खीबाग आढत बाजार , देहरादून विगत छह वर्षो से कनिष्क सहायक के पद पर कार्यरत है व विदेशी मुद्रा क्रय ख्र विक्रय करने का कार्य करते है । 27 अक्टूबर 2021 को वह व अन्य वरिष्ठ कर्मचारी द्वारा हिसाब किताब करने पर आठ हाजार चार सौ डालर की अनिमियता पाये जाने पर अमित अरोडा से पूछताछ की गयी तो उसके द्वारा कबूला गया कि उससे गलती हो गयी और उसने उक्त पैसो का निजी उपयोग मे इस्तेमाल किया है और कहा कि वह उक्त पैसो को ब्रान्च मे जमा कर देगा । 28 अक्टूबर 2021 को शाम चार बजे सुमित अरोडा का मोबाईल बंन्द आ रहा है , और ना ही उसके द्वारा पैसे जमा कराये गये है ऐसा प्रतीक होता है कि सुमित अरोडा द्वारा ट्रान्सकार्प कम्पनी लि0का पैसा धोखाधडी , हेर फेर कर गबन कर लिया गया है । उक्त सम्बन्ध मे उसके द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र थाना कोतवाली मे 30 अक्टूबर 2021 दिया गया परन्तु आज तक उक्त प्रार्थना पत्र पर थाना कोतवाली की पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की गयी । उक्त सम्बन्ध मे थाना कोतवाली द्वारा जब कोई कार्यवाही नही की गयी तो उसके द्वारा उक्त सम्बन्ध मे एक शिकायती प्रार्थना पत्र 10 दिसम्बर 2021 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यलय मे दिया जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नही की गयी। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत

देहरादून (सं)। ट्रक की चपेट में आकर मोटरसाइकिल सवार महिला की मौत हो गई । पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडोवाला निवासी विजय कुमार अपनी पत्नी पिंकी देवी के साथ अपनी मोटरसाइकिल से बाजार की तरफ से घर की तरफ जा रहा था जब वह तेलपुर चौक पर पहुंचे तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल पर पीछे से टक्कर मार दी। जिससे उसकी पत्नी सडक पर गिर गयी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर ध्यान दें स्वास्थ्य मंत्रीः आहूजा

हमारे संवाददाता

देहरादून। एनसीपी के राष्ट्रीय सचिव व प्रवक्ता सौरभ आहूजा ने स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत को डेंगू के बढ़ते प्रकोप की रोकधाम को लेकर पत्र लिखा गया है। पत्र के माध्यम से सौरभ आहूजा का कहना है कि उत्तराखंड के जिला देहरादून मे अगस्त व सितंबर मास में मलेरिया और डेंगू का प्रकोप प्रति वर्ष बढ़ जाता है। इस वर्ष पुनः इसके लक्षण प्रकट होने प्रारंभ हो गए है। डेंगू के रोगी घर-घर में देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि इन दिनों देहरादून में गंदगी की भरमार है। सरकार के दावों के बावजूद सड़कों और गलियों में पानी सड़ रहा है। सफाई कर्मचारी हो या अधिकारी सभी अत्यंत लापरवाही बरत रहे है। अस्तपालों में भी डेंगू मरीजों को बेड न होने के कारण एक जगह से दुसरी जगह भगाया जा रहा है। पैथोलॉजी लैब भी लूटने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। कहां कि राज्य की राजधानी देहरादून के नागरिकों को भाग्य के भरोसे छोड़ने के स्थान पर उनके स्वास्थ्य की रक्षा की उचित व्यवस्था की जाए। नगर निगम कर्मचारियों को तत्परता से काम करने का निर्देश दिया जाय व पैथोलॉजी लैब और डॉक्टरों की लूटखोरी को नियंत्रण किया किया जाए व फोगिंग करने को युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिये जाए।

संयुक्त किसान मोर्चे का धरना 18वें दिन भी जारी

संवाददाता

डोईवाला। सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चे का धरना 18वे दिन भी जारी रहा।

आज यहां संयुक्त किसान मोर्चे द्वारा सरकार की टाउनशिप योजना के विरोध मे सरदार रणजीत सिंह की अध्यक्षता मे लगातार 18 वें चल रहा धरना अपने जोशो खरोश के साथ सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलित है। धरने का संचालन संयुक्त रूप से उमेद बोरा और जाहिद अंजुम नें किया।

धरने को सम्बोधित करते हुए संयुक्त किसान मोर्चे के संयोजक ताजेन्द्र सिंह नें कहा कि सरकार लगातार किसानों और मजदूरों के उत्पीड़न मे लगी हुई है जिससे वह किसानों के विरोध मे फैसले लें रही है जिसका जीता जागता उदाहरण 21 अगस्त को किसानो पर झूठे मुकदमे लगाना है।किसान अपनी जमीन को बचाने के लिए पिछले 40 दिनों से आंदोलित है लेकिन सरकार को कोई परवाह नहीं हैं।

गन्ना समिति के चेयरमैन मनोज नौटियाल नें कहा कि सरकार किसानो की कृषि भूमि को कारपोरेट के हवाले करने की तैयारी करने मे लगी हुई है ताकि किसानों को रोड पर आने के लिये मजबूर हो जाये। हमें इससे सावधान रहने की आवश्यकता है। धरने को किसान सभा मंडल अध्यक्ष बलबीर सिंह व जाहिद अंजुम नें कहा है कि सरकार लगातार झूठ बोलकर किसानों को बेवकूफ बनाने मे लगी हुई है कि अभी इंटिग्रेटेड ताऊनशिप योजना पर सरकार किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाई और उलटे दूसरी तरफ डोईवाला मिल को बेचने का शासनादेश जारी कर दिया गया है। इससे किसानों मे सरकार के खिलाफ और भी नाराजगी बढ़ गयी जिसके फलस्वरूप किसानों नें सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी का इजहार किया तो इस घमंडी सरकार नें कई आंनदताओं पर मुकदमे ठोक दिए जिससे किसानों के हौंसलो को खत्म किया जा सके। धरने को उमेद बोरा, हरकमल सिंह, करनेल सिंह,हरेंद्र बालियान, त्रिलोक सिंह, अनूप कुमार आदि नें भी सम्बोधित किया।

सरकार की नीतियों के खिलाफ रुड़की मे भी आज किसानों की महापंचायत हो रही है जिसको किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकेट मुख्य रूप से सम्बोधित करेंगे। रुड़की महापंचायत मे डोईवाला से भी सैकड़ों किसानों नें शिरकत की।

धरने पर त्रिलोचन सिंह, कृष्ण सिंह,अवतार सिंह, प्रदीप पाल, गुरमीत सिंह, रासिद अली, सतनाम सिंह, संदीप कुमार, अनिल सैनी,असलम, बकवंत सिंह, सागर मनवाल, चमन लाल सैनी, देवराज सिंह, मदन सिंह, मनोज राणा, इस्लामुद्दीन, खुर्शीद हसन, इंदरजीत सिंह, दीपक पाल, अमर सिंह, अमीचंद, प्रीतम सिंह, इकबाल तगाला, नरेश कुमार,हबीब अहमद सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

सहारनपुर ट्रैक्टर ट्राली हादसे में अब तक 9 शव बरामद

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर में आज सुबह हुए भीषा। सड़क हादसे में अबतक 9 लोगों की मौत हो गई चुकी है। यह हादसा ट्रैक्टर ट्राली के ढमोला नदी में पलटने से हुआ है ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से पानी के बहाव में लोग बह गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली में बच्चों सहित 50 श्रद्धालु सवार बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस व रेस्क्यू टीमे मौके पर पहुंच गई है।

सड़क हादसे की है दर्दनाक घटना सहारनपुर के देहात कोतवाली क्षेत्र के बोंदकी गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही ेच डॉ.विपिन ताडा समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। डीएम डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि लापता हुए लोगों की तलाश जारी है। अभी भी कई श्रद्धालु लापता हैं, पुलिस प्रशासन की टीम रेस्क्यू में जुटी हुई है। ट्रॉली में 50-55 लोग सवार थे. मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। बताया जा रहा है कि बुधवार को सहारनपुर की देहात कोतवाली क्षेत्र में बागड़ जाने से पूर्व चॉब लेकर रिश्तेदारों के यहां जा रहे थे इस दौरान श्रद्धालु की ट्रैक्टर-ट्राली जनता रोड स्थित ग्राम बूंदकी के पास नदी के रपटे में पानी आने से पलट गई। हादसे में पोती और दादी सहित सहित नौ लोगों की मौत हो गई. 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए. ग्रामीाों ने बताया कि गागलहेड़ी थाने के बालाहेड़ी गांव से राजस्थान के तीर्थ स्थल बॉगड़ जाने से पूर्व ग्रामीा। ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर रिश्तेदारी में जनता रोड स्थित ग्राम रंडौल जा रहे थे। हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। सीएम ने जनहानि पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद के निर्देश दिए हैं। सीएम ने 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा दुर्घटना में घायलों का इलाज कराने के निर्देश दिए।

चंद्रयान-3 की सफलता से उत्साहित होकर निकाला पैदल मार्च

संवाददाता

हरिद्वार। चंद्रयान-3 की सफलता से उत्साहित सामाजिक संगठनों ने पैदल मार्च निकाला।

आज यहां चंद्रयान 3 की सफलता से उत्साहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाजपा नेता संजय चोपड़ा के नेतृत्व में बिरला चौक से चंडी चौराहे तक शंखनाद करते हुए घंटे- घड़ियाल बजाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए पैदल मार्च निकालकर संयुक्त रूप से चंद्रयान टीम के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामना देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में. चंद्रयान की सफलता का श्रेय केंद्र की भाजपा सरकार को जाता है जिस प्रकार से चंद्रयान का संचालन करने वाली टीम का उत्साह वर्धन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाता रहा है आज भारत देश का नाम एक बार फिर विश्व में एक बहुत बड़ी उपलब्धि के साथ हुआ है। संजय चोपड़ा ने कहा देश का तिरंगा चांद आसमान पर स्थापित किए जाने से प्रत्येक भारतीय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है आज सामाजिक संगठनों की और से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार चंद्रयान वैज्ञानिक टीम को शुभकामना देते हुए आभार प्रकट किया।चंद्रयान की सफलता से उत्साहित पैदल मार्च निकालने वालो में व्यापारी नेता मनोज कुमार मंडल, विक्रम यूनियन महासंघ के प्रवक्ता आदेश पंडित, चौकीदार संगठन के मानसिंह, मोहनलाल, उत्तराखंड विकास मंच के पंडित मनीष शर्मा, टेंपो यूनियन के वीरेंद्र पुरी, अनिल पुरी, श्रमिक कल्याण परिषद के कुमार सिंह मंडवाल, चंदन सिंह रावत, सचिन राजपूत, अनु कश्यप, जय सिंह बिष्ट, जोगेंद्र सिंह, अतुल कुमार, जयदीप, ललित, गौरव चौहान, प्रकाश सिंह, राजकुमार, अशोक शर्मा, नईम सलमानी, सोनू, ओमप्रकाश कालियन आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

हिमाचल की तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे सरकार: राजीव शुक्ला

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बारिश से भारी तबाही हुई है। एक आकलन के मुताबिक इससे राज्य को अबतक करीब 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। कांग्रेस के हिमाचल प्रभारी राजीव शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे और दस हजार करोड़ का राहत पैकेज दे। उन्होंने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार की ओर अब तक सिर्फ 200 करोड़ रुपये की सहायता मिली है जो इस भारी नुकसान को देखते हुए ऊंट के मुंह में जीरा के समान साबित हो रहा है। मीडिया से बातचीत के दौरान राजीव शुक्ला ने कहा कि हिमाचल में विध्वंसकारी बारिश से भारी तबाही हुई है। हिमाचल के इतिहास में ऐसी भयानक तबाही आज तक नहीं हुई है। राज्य में अब तक 330 जानें जा चुकी हैं और 12,000 घर तबाह हो चुके हैं। तकरीबन 13 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि वो हिमाचल प्रदेश की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे। जिस तरह से केदारनाथ में तबाही हुई थी और भुज में भूकंप आया था, उसी तर्ज पर केंद्र सरकार को हिमाचल में भी राहत पैकेज देना चाहिए। सरकार ने अभी तक सिर्फ 200 करोड़ रुपए दिए हैं, लेकिन हम 10 हजार करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। इसी के साथ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध है कि वह सांसद निधि से भी पैसे देने की छूट दें, अभी तक छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और हरियाणा राज्यों ने आर्थिक सहायता दी है।

नेपाल में भीषण सड़क हादसे में 6 भारतीय सहित 7 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों से भरी एक बस हादसे का शिकार हो गई है। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं 19 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इस हादसे के बाद बस के ड्राइवर और दो क्लीनर्स को हिरासत में ले लिया गया है। दुर्घटना में घायल यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक हादसा नेपाल के मधेश प्रांत के बारा जिले में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे हुआ। बस काठमांडू से जनकपुर जा रही थी। इसमें ज्यादातर भारतीय यात्री ही सवार थे। बस बारा में चुरियामई के पास पलटकर सड़क से करीब 50 मीटर नीचे गिर गई। हादसे वाले क्षेत्र सिमारा के पुलिस अधिकारी के मुताबिक मृतकों में 6 यात्री भारत के राजस्थान के रहने वाले हैं। वहीं, एक यात्री नेपाली है। हादसे के वक्त बस में दो ड्राइवर और एक क्लीनर सहित 27 लोग सवार थे। पुलिस ने फिलहाल दोनों ड्राइवर और क्लीनर को हिरासत में ले लिया है।

विमान हादसे में वैगनर प्रमुख प्रिगोझिन की मौत

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में हुए एक विमान हादसे में प्राइवेट आर्मी वैगनर के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के मारे जाने का दावा किया गया है। प्रिगोझिन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ दो महीने पहले विद्रोह किया था, लेकिन यह विद्रोह असफल हो गया था। मॉस्को के उत्तर में बुधवार की शाम एक विमान हादसे का शिकार हुआ था। कहा जा रहा है कि प्रिगोझिन भी उस विमान में सवार था। विमान में 10 लोग सवार थे। हादसे में कोई जिंदा नहीं बचा। प्रिगोझिन के समर्थकों ने उनकी हत्या के पीछे सरकार का हाथ बताया है। वैगनर ग्रुप के लड़ाकों ने यूक्रेन में रूस की ओर से जंग लड़ी है। प्रिगोझिन की मौत के बाद अब इस ग्रुप के नेतृत्वहीन होने का खतरा है। ऐसा होता है तो इसके अफ्रीका और अन्य जगहों पर भविष्य के अभियानों पर सवाल खड़े होंगे। रूस की विमानन एजेंसी रोसावियात्सिया ने हादसे का शिकार हुए विमान में सवार सभी 10 लोगों के नाम प्रकाशित किए हैं। इनमें प्रिगोझिन और उनके दाहिने हाथ दिमित्री उत्किन भी शामिल हैं। दिमित्री उत्किन वैगनर के सह-संस्थापक थे। रूसी जांचकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने जांच शुरू कर दी है। पता लगाया जा रहा है कि हादसा कैसे हुआ। कुछ अज्ञात सूत्रों ने रूसी मीडिया को बताया कि विमान को सतह से हवा में मार करने वाली एक या अधिक मिसाइलों द्वारा मार गिराया गया था। विमान मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था। यह टवर क्षेत्र के कुजेनकिनो गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

मुख्यमंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाये गये राखी के स्टॉलों का अवलोकन किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाये गये राखी के स्टॉलों का अवलोकन किया। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए जा रहे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और उन उत्पादों की अच्छी बिक्री हो, इस उद्देश्य से राज्य में 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना' शुरू की गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी विकासखण्डों में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 24 से 28 अगस्त 2023 तक राखियों के स्टॉल लगाये जा रहे हैं। स्टॉलों के अवलोकन के दौरान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई में राखी भी बांधी।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके बाद सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से सभी जनपदों से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की बहनों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सभी से उनके द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों एवं उनकी बिक्री की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो भी स्थानीय उत्पाद बनाये जा रहे हैं, उनमें हमें गुणवत्ता और पैकेजिंग का विशेष ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों ने जब भी कोई संकल्प लिया है, उसे सिद्धि तक पहुंचाया है। 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना' को और बेहतर बनाया जायेगा। जिसमें महिला

❑महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बांधी राखी

स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनके लिए अच्छे मार्केट की व्यवस्था भी की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिला स्वयं सहयता समूहों द्वारा नये उत्पाद बनाने के लिए अनेक नवाचार किये गये हैं। उनके द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से अपील भी की है कि त्योहारों एवं विशेष पर्वों पर महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये स्थानीय उत्पादों को जरूर खरीदें। 'वोकल फॉर लोकल' से जहां हमारे उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कार्य हो रहे हैं।

संवाद के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों की बहनों ने बताया कि रक्षा बंधन के अवसर पर उनके द्वारा भोजपत्र, ऐपण, वैजयंती माला, पिरूल एवं अन्य स्थानीय उत्पादों पर आधारित राखियां बनाई गई हैं। जिनकी बाजार में मांग भी बहुत है। सभी जनपदों में जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय उत्पादों पर आधारित राखियों की बिक्री के लिए स्टॉल भी लगाये गये हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना की एवं उनका आभार भी व्यक्त किया। सचिवालय में श्रीमती गीता पुष्कर सिंह धामी ने भी महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाये गये राखी के स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, प्रेमचन्द अग्रवाल, डॉ. धन सिंह रावत, श्रीमती रेखा आर्या, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव ग्राम्य विकास श्रीमती राधिका झा, आयुक्त ग्राम्य विकास आनन्द स्वरूप, वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी एवं सीडीओ उपस्थित थे।

दूसरे की जगह परीक्षा देने पहुंची महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून । दूसरे के बदले परीक्षा देने पहुंची महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेग बहादुर रोड निवासी सार्थक ममगाई ने कैंट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज डी.डी. कालेज गढी कैन्ट देहरादून में ईपीएफओ की एसएसए पद की परीक्षा आयोजीत कराई जा रही थी,जिसमें पहली पाली की परीक्षा नौ बजे से साढे ग्यारह बजे कक्षा 2 में यूके01003147 से यूके01003151 रोल नम्बर तक अभ्यार्थी परीक्षा में बैठे थे,एक अभ्यार्थीनी जिसका रोल नम्बर यूके01003148 जिसका नाम नीतू रानी पुत्री शमशेर सिंह निवासी प्रीतम बाग हनुमान नवार नरवाना जिंद हरियाणा की है को संदिग्ध पाया गया तो बाइमैट्रिक चौंकिग के दौरान पता लगा कि उक्त अभ्यार्थीनी के स्थान पर धोखा धडी कर सोनिया पुत्री बलराज सिंह निवासी इंदरा कालोनी रोहतक हरियाणा परीक्षा देने आयी है, उनके द्वारा अन्य पूछताछ करने पर उक्त अभ्यार्थीनी द्वारा यह कबूल किया गया कि वह धोखाधडी कर नीतू रानी के स्थान पर परीक्षा देने आयी थी तथा उनके द्वारा परीक्षा खत्म होने के उपरांत सोनिया को पकडकर थाने लाया गया।

गुलदार ने छात्रा पर किया हमला

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर के गरुड़ क्षेत्र में स्कूल जा रही छात्रा पर एक गुलदार ने हमला कर दिया। जिसमें छात्रा के हाथ और पैरों में दाँत और नाखून के गहरे निशान लग गये। फिलहाल छात्रा का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भिकोट गांव के 4 स्टूडेंट्स घर से स्कूल के लिये निकले थे, तभी पहले से घात लगाकर बैठे गुलदार ने एक छात्रा पर हमला कर दिया, अचानक हुए इस हमले से बच्चौ में अफरा तफरी फैल गई। हालांकि इस दौरान एक एक छात्र भास्कर परिहार ने हिम्मत दिखाई और लेपर्ड के सर पर पत्थर से वार कर उसे भागने को मजबूर कर दिया।इस पूरी घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है, उनका कहना है कि इसी क्षेत्र में 5 साल पहले लेपर्ड तीन बच्चों को अपना निवाला बना चुका है।

इधर डीएफओ बागेश्वर का कहना है कि गांव में गस्त बढ़ाई जायेगी और जरूरत पड़ने में पिंजरा लगाया जायेगा। छात्रा पर गुलदार के हमला करने के मामले में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सरकार वन्य जीव संघर्ष को खत्म करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, उन्होंने आगे कहा की हम इस सिलसिले में केबिनेट में एक प्रस्ताव ला रहे हैं और वन जीव हमलों में मिलने वाली राशि को बढ़ाकर 6 लाख किया

जा रहा है। इसके साथ ही भालू और ततइयों द्वारा हमले पर भी राशि बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन जागरण के माध्यम से हम प्रयास कर रहे हैं कि मानव व वन जीव संघर्ष कम हो सके और आगे भी सरकार का यही प्रयास है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।